फरीदाबाद
मजदूर समाचार

राहें तलाशने-बनाने के लिए मजदूरों के अनुभवों व विचारों के आदान-प्रदान के जरियों में एक जरिया

'मजदूर समाचार' की कुछ सामग्री अंग्रेजी में इन्टरनेट पर है। देखें–
< http://faridabadmajdoorsamachar.blogspot.com >

डाक पता : मजदूर लाईब्रेरी, आटोपिन झुग्गी, एन.आई.टी. फरीदाबाद – 121001

नई सीरीज नम्बर 277 1/- जुलाई 2011

होण्डा से मारुति सुजुकी
कम्पनियों के आज तौर-तरीकों की एक झलक

✱ मारुति सुजुकी की गुड़गाँव फैक्ट्री 300 एकड़ में है और यहाँ तीन प्लान्टों की क्षमता वर्ष में 7 लाख कार बनाने की है। यहीं स्थित इंजन प्लान्ट की वर्ष में 7½ लाख इंजन बनाने की क्षमता है। ✱ मानेसर में 600 एकड़ में मारुति सुजुकी की दूसरी फैक्ट्री में फरवरी 2007 में उत्पादन आरम्भ हुआ। यहाँ कम्पनी के चौथे असेम्बली प्लान्ट की क्षमता वर्ष में 3 लाख कार बनाने की है। यहीं पर बन रहे पाँचवें असेम्बली प्लान्ट की वार्षिक क्षमता 2½ लाख कार बनाने की है और मार्च 2012 में उत्पादन शुरू करने की बातें हैं। मानेसर में मारुति सुजुकी फैक्ट्री की बगल में सुजुकी मोटर कारपोरेशन की 70% और मारुति सुजुकी की 30% हिस्सेदारी से बनाई सुजुकी पावरट्रेन फैक्ट्री की क्षमता वर्ष में कारों के तीन लाख डीजल इंजन बनाने की है। ✱ मारुति सुजुकी ने 1 अप्रैल 2010 से 31 मार्च 2011 के 12 महीनों के दौरान 12 लाख 70 हजार गाड़ियाँ बेची। भारत सरकार के क्षेत्र में कार उत्पादन में कम्पनी का हिस्सा 44.9 % है। कम्पनी ने इस वर्ष में 1, 38, 266 गाड़ियाँ 120 देशों को निर्यात की। फैक्ट्रियों की दस लाख की क्षमता से 2 लाख 70 हजार वाहन ज्यादा बनाये। ✱ मारुति सुजुकी ने 1.4.2005 से 31.3.2006 के 12 महीनों के दौरान 12 हजार 3 करोड़ 40 लाख रुपये के वाहन बेचे। और, 1.4.2010 से 31.3.2011 के 12 महीनों के दौरान एक्साइज के पैसे जोड़ कर 40 हजार 419 करोड़ 4 लाख रुपये के वाहन बेचे। ✱ कम्पनी के अनुसार मारुति सुजुकी में डायरेक्टर, मैनेजर, सुपरवाइजर, अकाउन्ट्स वाले, मार्केटिंग वाले और मजदूर मिला कर 31 मार्च 2011 को 8, 500 लोग थे। इन 8, 500 को 12 महीनों में वेतन-भत्ते आदि में 703 करोड़ 62 लाख रुपये दिये गये। वैसे, 2200-2300 स्थाई मजदूर गुड़गाँव फैक्ट्री मे होंगे और 900-950 मानेसर फैक्ट्री में हैं। स्टाफ में 5000 से ज्यादा हैं। ✱ मारुति सुजकी ने 1997 में उत्पादन कार्य के लिये ठेकेदारों के जरिये मजदूर रखने आरम्भ किये। फिर उकसा कर सन् 2000 में कम्पनी ने हड़ताल करवाई और कुचली। तब सन् 2001 में 1250 स्थाई मजदूरों की छँटनी की। पुनः सन् 2003 में 1250 स्थाई मजदूर नौकरी से निकाले। गुड़गाँव फैक्ट्री में सन् 2007 में 1800 स्थाई मजदूर और ठेकेदारों के जरिये रखे 4000 वरकर उत्पादन कार्य में थे। इधर 7½ लाख इंजन बनाने वाला प्लान्ट 2008 में आरम्भ हुआ है। ✱ अन्तर्राष्ट्रीय श्रम संगठन आदि के अनुसार मारुति सुजुकी फैक्ट्रियों में पन्द्रह प्रतिशत स्थाई मजदूर हैं और ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर 85% हैं। यहाँ नोकिया फैक्ट्री में 50% स्थाई मजदूर हैं और 50% को ठेकेदारों के जरिये रखा है। भारत में फोर्ड कार फैक्ट्री में पच्चीस प्रतिशत स्थाई मजदूर हैं और ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर 75% हैं। ✱ 1.4 2010 से 31.3.2011 के दौरान के 12 महीनों में मारुति सुजुकी के जरिये केन्द्र सरकार ने एक्साइज ड्युटी के रूप में 4290 करोड़ 81 लाख रुपये लिये और हरियाणा सरकार ने 820 करोड़ 11 लाख रुपये टैक्स में लिये। बैंकों को ब्याज में कम्पनी ने 24 करोड़ 41 लाख रुपये दिये। कम्पनी की शेयर पूँजी 144 करोड़ 46 लाख रुपये है। पाँच रुपये की एक शेयर पर इन 12 महीनों में 79 रुपये 22 पैसे बने। सब को भुगतान के बाद कम्पनी का शुद्ध लाभ 2288 करोड़ 64 लाख रुपये। कम्पनी के बचत खाते में 13, 723 करोड़ और 2 लाख रुपये हैं। इन 12 महीनों में कच्चे माल और हिस्से-पुर्जो पर 27, 576 करोड़ 13 लाख रुपये खर्च किये। "अन्य व्यय" में कम्पनी 3, 877 करोड़ 88 लाख रुपये दिखाती है।

अपने शोषण का हिसाब लगाइये और कम्पनी तथा सरकार के बारे में विचार कीजिये।

कम से कम लागत पर अधिक से अधिक उत्पादन करवाना कम्पनियों का एक सामान्य सूत्र है। चौतरफा और गहराते संकट ने हानि कम से कम करने को कम्पनियों का दूसरा सामान्य सूत्र बना दिया है। और, कम्पनियों के दोनों सूत्र मजदूरों के लिये बढती असुरक्षा, बदतर कार्यस्थितियाँ, बढता काम का बोझ, उत्पादन का घटता हिस्सा मिलना, वास्तविक तनखा का लगातार गिरना लिये हैं।

✱ वर्ष-भर पहले मारुति सुजुकी की मानेसर फैक्ट्री में मेन लाइन पर दो शिफ्टों में 1100 कार बनाना महाभारत लड़ने समान था। अब मेन लाइन पर 1200 और मैनुअल लाइन पर 150 कारें प्रतिदिन दो शिफ्टों में बनती हैं। अधिकारी चुपचाप लाइन की गति बढा देते हैं.......

– अत्याधुनिक पेन्ट शॉप में एक तरफ 12 रोबोट हैं तो दूसरी तरफ इसी पेन्ट शॉप में 25 किलो की साफ जाली और 28-30 किलो की गन्दी जाली सिर पर लाद कर मजदूर दूसरी मंजिल पर चढते तथा पहली मंजिल पर उतरते हैं। पौने नो घण्टे की शिफ्ट में 70-80 जाली ऊपर ले जाना और इतनी ही नीचे लाना। करके ही जाना – ड्युटी समय में नहीं हुआ तो एक-सवा घण्टे अतिरिक्त काम करना जिसके कोई पैसे नहीं दिये जाते। कम्पनी भोजन का आधा घण्टा और चाय के 15 मिनट भी मजदूरों के मत्थे मढती है। नाम है क्वालिटी मेन्टेनैन्स और इसमें काम करते 95 मजदूर ठेकेदार के जरिये रखे हैं – एक भी मजदूर स्थाई नहीं है। थिन्नर तथा अन्य रसायनों से सफाई करना, टैंक में घुसा देते हैं – चक्कर आ जाते हैं। शिफ्ट नहीं बदलते, लगातार सी-शिफ्ट में रात 12½ से अगली सुबह 8½ तक काम में बहुत ज्यादा परेशानी होती है। सी-शिफ्ट में भोजन नहीं मिलता, बदले में 44 रुपये देते थे जिन्हें घटा कर 22 रुपये कर दिया है। पौने नौ घण्टे की ड्युटी के बाद कमरा और बिस्तर ही नजर आते हैं पर जबरन ओवर टाइम के लिये रोकते हैं...... 17½ घण्टे मारुति सुजुकी फैक्ट्री में रहना रौरव नर्क के दर्शन करना है। महीने में 32 से 192 घण्टे ओवर टाइम और ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों को 28 रुपये प्रतिघण्टा के अनुसार भुगतान।

– मारुति सुजुकी की मानेसर फैक्ट्री में स्थाई मजदूरों की तनखा 5300 रुपये, इन्सेन्टिव तथा उपस्थिति भत्ता 8900 रुपये, एच आर ए 1600 रुपये, महँगाई भत्ता, बच्चों की शिक्षा के लिये भत्ता आदि मिला कर महीने में 17-18, 000 रुपये। कहने को सवेतन तथा कैजुअल छुट्टियाँ हैं पर विवाह अथवा पारिवारिक समस्या पर महीने में 4 छुट्टी ले ली तो 8900 रुपये काट लेते हैं। एक दिन की आपातकालीन छुट्टी पर 2250 रुपये काटते हैं. ..... वैसे, फैक्ट्री में चर्चा है कि स्थाई मजदूर के लिये जापान से 42,000 रुपये तनखा भेजते हैं।

– ई.एस.आई. तथा पी.एफ. की राशि काट कर ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों में आई.टी. आई. वालों को महीने में 7200 तथा बिना आई टी आई बारहवीं कियों को (बाकी पेज चार पर)

दिल्ली-गुड़गाँव-फरीदाबाद में मजदूर

ओमेगा कन्स्ट्रक्शन इक्विपमेन्ट मजदूर : "प्लॉट 262 एम सैक्टर-24, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में मैं, दिनेश कुमार, 25 वर्ष से काम कर रहा स्थाई मजदूर था। हाइड्रोलिक प्रेस पर 15.9.2009 को एक्सीडेन्ट में मेरा पूरा चेहरा कट गया – एक जबडे की हड्डी कटी, सब दाँत टूटे, नाक कटी। एक महीने एस्कोर्ट्स फोर्टिस अस्पताल में, फिर मैट्रो अस्पताल में 15 दिन, और फिर ई एस आई अस्पताल में 10 दिन बेहोश रहने के बाद आँखें खोली। मुँह की सिलाई कर रखी थी, भोजन गले के नीचे प्लास्टिक ट्यूब से। दिल्ली में सफदरजंग अस्पताल भेजा पर उन्होंने वापस ई एस आई भेज दिया। नाक की प्लास्टिक सर्जरी, मुँह खोलने के लिये ऑपरेशन। साँस मुँह से लेनी पडती है। कम्पनी ने 60 हजार रुपये दिये। ई एस आई ने एस्कोर्ट्स फोर्टिस अस्पताल भेजा था और वहाँ डॉक्टरों के कहने पर घरवाले दवाई लाते रहे लेकिन इस पर खर्च हुये 18-20 हजार रुपये ई एस आई ने नहीं दिये.... बोले कि पूरा खर्चा एस्कोर्ट्स अस्पताल को दिया है, तुमने दवाई खरीदी ही क्यों। एस्कोर्ट्स फोर्टिस डॉक्टर बाद में बोले कि उन्हें कानून का पता नहीं था।" मैट्रो अस्पताल में भाई ने भर्ती करवाया था इसलिये वहाँ खर्च हुये 55-56 हजार रुपये परिवार को देने पडे। ई एस आई से 15.9.2009 से 27.7.2010 तक 148 रुपये रोज के हिसाब से पैसे मिले। खर्च काफी हुआ..... ई एस आई डॉक्टर ने 28.7.2010 को मेडिकल फिटनेस दी। फैक्ट्री गया। चक्कर कटवाये – हिसाब ले जाओ। एक यूनियन के जरिये श्रम विभाग गया। कम्पनी वहाँ ड्युटी के लिये लिखित में मानी। सितम्बर 2010 में 3 दिन और अक्टूबर में 7 दिन की ड्युटी के बाद सितम्बर के पैसे माँगे तो डायरेक्टर ने गालियाँ और धमकियाँ दी। फिर श्रम विभाग गया। कम्पनी का वकील बोला कि हिसाब ले लो। मैने इनकार किया। मामला चण्डीगढ हो कर यहाँ श्रम न्यायालय में पहुँचा है, पहली जुलाई को पहली तारीख है। काफी खर्च हुआ है..... भाई-भतीजा-बड़ी बेटी (पत्नी की मृत्यु हो चुकी है) बोलते हैं कि सोचो मत, दिमाग थोड़ा खराब हो गया है इसलिये सोचो मत। दलिया निगलना पड़ता है। नाक से पानी गिरता है। मुँह में दर्द होता रहता है। कफ ज्यादा आता है। सिर में दर्द..... ई एस आई का मेडिकल बोर्ड बैठेगा क्षतिपूर्ति के लिये।"

एडिगियर इन्टरनेशनल श्रमिक : "प्लॉट 150 सैक्टर-4 आई एम टी मानेसर, गुड़गाँव स्थित फैक्ट्री में 650 सिलाई कारीगरों ने 12 जून को, साँय 6 बजे काम बन्द कर दिया तब कम्पनी ने 7 बजे उन्हें मई माह की तनखा दी। फिनिशिंग विभाग के मजदूरों ने 15 जून को दोपहर 1 बजे काम बन्द किया तब मई माह की तनखा उन्हें दी। चेकर, लाइनमैन, मेन्टेनैन्स, कटिंग वरकरों तथा स्टाफ को मई का वेतन 18 जून को दिया। सुबह 9½ बजे काम आरम्भ होता है और रात 7 ½ बजे 1½ घण्टा भोजन के लिये, फिर रात 9 से रात 1 बजे तक फिनिशिंग विभाग में रोज तथा कटिंग व सिलाई में सप्ताह में 3 दिन। रविवार को सिलाई वालों को साँय 4 तथा फिनिशिंग वालों को 6-8 बजे छोड़ देते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। यहाँ **एडिडास, पूमा, जम्बूरी, रीबोक** का माल बनता है...... बायर से कम्पनी ओवर टाइम छिपाती है और जब वे आते हैं तब ओवर टाइम के कागज बगल में **मेटाफोर** फैक्ट्री में भेज देते हैं।"

शरण इम्पैक्स कामगार : "ए-279 ओखला फेज-1 में 150 और जैड-38 ओखला फेज-2 में 200 मजदूर चमड़े के जैकेट बनाते हैं। कम्पनी की दिल्ली में तीसरी फैक्ट्री भी है। अधिकतर मजदूर तीन ठेकेदारों के जरिये रखे हैं जिन्हें भर्ती के समय तनखा 5000 रुपये बताते हैं पर फिर इनमें से 1500 रुपये काट लेते हैं। सुबह 9 से साँय 6, रात 8 तक एक जगह काम करवा कर दूसरी जगह भेज देते हैं – रात 2 बजे तक काम। रोटी के लिये 50 रुपये देते हैं, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। कमरे पर पहुँचने में 3 बज जाते हैं. ..... तैयार हो कर फिर सुबह 9 बजे ड्युटी के लिये पहुँचो।"

एस एच इम्पैक्स वरकर : "20 उद्योग विहार फेज-1, गुड़गाँव स्थित सूचना प्रौद्योगिकी कम्पनी में 500 से ज्यादा वरकरों की सुबह 9 से साँय 6 की ड्युटी है पर रात 8 बजे तक जबरन रोकते हैं। इन अतिरिक्त दो घण्टों के कोई पैसे नहीं देते। तनखा 6700 रुपये और ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं। टीम लीडर बहुत मानसिक दबाव डालते हैं – इतना टारगेट है, करो। प्रशिक्षण के नाम पर कम्पनी एक महीने मुफ्त में काम करवाती है।"

क्लच ऑटो मजदूर : "12/4 मथुरा रोड, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में 350 स्थाई मजदूरों की तनखा से हर महीने 100 रुपये काट कर वर्ष में एल.टी.ए के रूप में देते हैं – साहब बताते हैं कि ऐसा यूनियन से समझौता है। जून-आरम्भ तक वर्ष 2010 का यह पैसा नहीं दिया। कम्पनी ने नोटिस लगाया था कि सवेतन छुट्टियाँ मत करो, इनके पैसे दे देंगे। ऐसी छुट्टियों के 2006 से पैसे नहीं दिये हैं और वह छुट्टियाँ करना चाहो तो देते नहीं। इधर मई में कम्पनी ने नोटिस लगाया कि एक दिन की छुट्टी करने पर दो दिन के पैसे काटेंगे। और, मैनेजमेन्ट-यूनियन दीर्घकालीन समझौते अनुसार उत्पादन नहीं दिया कह कर अप्रैल की तनखा से 1800 रुपये काटने लगे तो 12 मई को स्थाई मजदूरों ने वेतन लेने से इनकार कर दिया...... 20 मई को बिना पैसे काटे तनखा दी। रेवाड़ी में नई फैक्ट्री, यहाँ से मशीनें ले जा रहे हैं, नये लोगों को प्रशिक्षण दे रहे हैं....... यहाँ के 350 स्थाई मजदूरों को निकालना चाहते हैं। स्थाई मजदूरों ने 3 जून को फैक्ट्री के अन्दर टूल डाउन आरम्भ किया, ड्युटी पर रहते हुये काम बन्द रखना.....12 जून को श्रम मन्त्री के आवास पर मैनेजमेन्ट-यूनियन समझौता वार्ता..... मन्त्री के निर्वाचन क्षेत्र में रह रहे क्लच ऑटो के स्थाई मजदूरों तथा उनके परिवार वालों ने श्रम मन्त्री को घेरा....... मजदूरों को 10 दिन काम बन्द रखने के दौरान के पैसे मिलेंगे – पाँच दिन के पैसे कम्पनी देगी और 5 दिन की पूर्ति मजदूर 20 से 30 जून के दौरान रोज 12-12 घण्टे की ड्युटी द्वारा कर देंगे.....बाकी आश्वासन दिये हैं। फैक्ट्री में 13 जून से उत्पादन आरम्भ।"

साहनी एक्सपोर्ट श्रमिक : "बी-144 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में सुबह 9 से रात 9, रात 1, अगली सुबह 4 बजे तक काम। कोई छुट्टी नहीं, तीसों दिन काम। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। फिनिशिंग विभाग में पुरुष मजदूरों का महीने में 250 घण्टे ओवर टाइम। एक सौ महिला मजदूरों को 8 घण्टे के 125 रुपये और रोज रात 12 बजे तक रोकते हैं। प्रेसमैनों को 8 घण्टे के 175 रुपये। चेकर-स्पॉटर-मेजरमेन्ट चेकर की तनखा 5000-5500 और सिलाई कारीगरों की 6000 रुपये। रात 1 बजे तक पर रोटी के लिये 15 रुपये और अगली सुबह 4 तक पर 25 रुपये – बीस दिन बाद यह पैसे देते हैं। फैक्ट्री में काम करते 400 मजदूरों में 4-5 की ही ई.एस.आई. व पी.एफ. हैं। यहाँ **बेला, गुडिनी, चिओ, दहला** का माल बनता है।"

हाईटेक गियर कामगार : "प्लॉट 24-26 सैक्टर-7 आई एम टी मानेसर, गुड़गाँव स्थित फैक्ट्री में 100 स्थाई मजदूरों की 8-8 घण्टे की शिफ्ट हैं और दो ठेकेदारों के जरिये रखे 300 वरकरों (पहले 400 थे) की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। आई टी आई से कम नहीं रखते – तनखा 5500 और उपस्थिति भत्ता 2000 रुपये। सप्ताह के सातों दिन काम – साप्ताहिक अवकाश के दिन काम के लिये 200 रुपये अतिरिक्त देते हैं। यहाँ **मारुति सुजुकी** और **होण्डा** का काम होता है।"

नोकिया सीमेन्स नेटवर्क्स वरकर : "छठी मंजिल, साइबर ग्रीन, डी एल एफ फेज-2, गुड़गाँव स्थित कार्यस्थल पर 5-10 हजार लोग हर प्रान्त की राजधानी तथा 40 देशों से जुड़ा कार्य करते हैं। एक्सटर्नल टेम्परेरी के नाम से रखों में 40% इंजिनियर हैं और इन्हें वार्षिक वेतन वृद्धि देते हैं पर बाकी 60% को नहीं देते। कम से कम 4503 रुपये तनखा देते हैं पर रोज जबरन 1-2-3 घण्टे अतिरिक्त रोकते हैं और उस समय के पैसे नहीं देते – कहते हैं कि यह कम्पनी ओवर टाइम नहीं देती।" ☞

लालडी मजदूर : "11 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में हफ्ते में एक दिन छुट्टी करने पर रविवार की साप्ताहिक छुट्टी काट लेते हैं – एक दिन की छुट्टी पर दो दिन के पैसे काटते हैं। रोज सुबह 9 से रात 9½ तक काम – रविवार को 8 घण्टे ही। श्रम विभाग में लिख कर दिया है कि ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर से करेंगे। फैक्ट्री में कहते हैं कि डेढ की दर से देंगे। देते सिंगल रेट से और दो महीने बाद हैं – अप्रैल के ओवर टाइम के पैसे 3 जून को दिये। कैजुअल

दिल्ली-गुड़गाँव-फरीदाबाद में मजदूर...... (पेज दो का शेष)

●दिल्ली सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतनः अकुशल श्रमिक 6084 रुपये (8 घण्टे के 234 रुपये); अर्ध-कुशल श्रमिक 6734 रुपये (8 घण्टे के 259 रुपये); कुशल श्रमिक 7410 रुपये (8 घण्टे के 285 रुपये)। 1 पच्चीस पैसे का पोस्ट कार्ड डालने के लिये एक पता : श्रम आयुक्त दिल्ली सरकार, 5 शामनाथ मार्ग, दिल्ली-110054 ●हरियाणा सरकार द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतनः अकुशल मजदूर (हैल्पर) 4503 रुपये (8 घण्टे के 173 रुपये);.....अर्ध-कुशल ब 4763 रुपये (8 घण्टे के 183 रुपये);.... कुशल श्रमिक ब 5023 रुपये (8 घण्टे के 193 रुपये); उच्च कुशल मजदूर 5153 रुपये (8 घण्टे के 198 रुपये) । इस सन्दर्भ में 25-50 पैसे के पोस्ट कार्ड डालने के लिये एक पता : श्रम आयुक्त, हरियाणा सरकार, 30 बेज बिल्डिंग, सैक्टर-17, चण्डीगढ ।

वरकरों की तनखा 3800-4000 रुपये, ई.एस. आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। भारी काम है, शियरिंग ब्लेड बनती है। जगह-जगह कैमरे लगा रखे हैं। डायरेक्टर गाली देता है।"

टेलर क्राफ्ट श्रमिक : "ए-218 व 219 ओखला फेज-1, दिल्ली स्थित फैक्ट्रियों में धागे काटने वाली महिला मजदूरों को 8 घण्टे के 125 रुपये और उत्पादन वाले सिलाई कारीगरों को 225 रुपये। सफाई कर्मचारी की तनखा 3000 रुपये और सैम्पलिंग टेलरों की 6448 रुपये। सुबह 9½ से रात 9 की ड्युटी, रात 1 बजे तक रोक लेते हैं – महिला मजदूरों को भी। रात 1 तक पर रोटी के लिये 30 रुपये देते थे उन्हें 25 कर दिया है। ई.एस.आई. व पी.एफ. 300 मजदूरों में 30 की ही हैं।"

कुरुबॉक्स कामगार : "प्लॉट 153 सैक्टर-4, प्लॉट 12 सैक्टर-5, प्लॉट 8 व 9 सैक्टर-7 आई एम टी मानेसर, गुड़गाँव स्थित कम्पनी की फैक्ट्रियों में अप्रैल और मई की तनखायें आज 18 जून तक नहीं दी हैं। चमड़े के उत्पाद बनाती फैक्ट्रियों को जो मजदूर छोड़ गये हैं उन्हें फरवरी की तनखा अब तक नहीं दी है – सैक्टर-5 फैक्ट्री में 4000 की जगह 1500 मजदूर ही बचे हैं। कई मजदूरों को अभी तक दिसम्बर व जनवरी में किये ओवर टाइम के पैसे नहीं दिये हैं।"

सुरक्षा कर्मी : "पंचवटी, सैक्टर-17, गुड़गाँव में मुख्यालय वाली **ग्रुप 4 सेक्युरिटी** ने अब जा कर गार्डों की पूरी तनखा पर पी.एफ. राशि जमा करनी आरम्भ की है। लेकिन गुड़गाँव में कई स्थानों पर ड्युटी कर रहे गार्डों का पी.एफ. 6 महीने से जमा नहीं किया जा रहा – कम्पनी कहती है कि क्या करें, ग्राहक पैसे दे ही नहीं रहे। गुड़गाँव की भर्ती सैक्टर-14 स्थित शाखा कार्यालय में होती है और यहाँ गालियों का बोलबाला है, मारपीट भी कर देते हैं। किसी भी बात पर गार्ड को 'नो ड्युटी' कर दिया जाता है और फिर सिफारिश अथवा 2000-5000 रुपये, रिश्वत ले कर रखते हैं। ओवर टाइम की अलग स्लिप, उस पर घण्टे नहीं लिखे होते, भुगतान सिंगल रेट से।"

बुटीक ग्लोबल वरकर : "बुढिया नाले के पास रेल लाइन की तरफ, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में 2500 मजदूर सुबह 9 से रात 11 तक रोज और एक दिन छोड़ कर, अगली सुबह 4 बजे तक काम करते हैं। रविवार को साँय 4 बजे छोड़ देते है। रात 11 तक पर रोटी के लिये 20 रुपये और सुबह 4 तक के लिये 40 रुपये देते हैं। ओवर टाइम का भुगतान सिंगल रेट से। फिनिशिंग विभाग में 1000 महिला मजदूरों की तनखा 3500-3800 रुपये। सिलाई कारीगरों की तनखा 5000 रुपये। काम का भारी दबाव और डाँट-फटकार थोक में। ई.एस.आई. व पी.एफ. 100-200 मजदूरों की ही हैं। यहाँ **मदरहुड** आदि का माल बनता है।"

ई एस वी बजाज मजदूर : "प्लॉट 14 सैक्टर-3 आई एम टी मानेसर, गुड़गाँव स्थित फैक्ट्री में तनखा 4503 रुपये, आई टी आई की 500-1000 रुपये अधिक। एक हजार मजदूर हैं, तीन शिफ्ट हैं, लगातार 16 घण्टे की ड्युटी हो जाती है। महीने में 200 घण्टे तक ओवर टाइम, भुगतान दुगुनी दर से, 42 रुपये प्रतिघण्टा....... तनखा कम है पर ओवर टाइम के कारण मजबूरी में यहाँ काम करते हैं।"

यू टी पम्पस् श्रमिक : "मेवला महाराजपुर फाटक, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में 7500 रुपये तनखा बता कर ठेकेदार के जरिये ऑपरेटर भर्ती करते हैं जबकि देते 5000 रुपये ही हैं। इन 5000 में से भी ई.एस.आई. व पी.एफ. के दोनों हिस्से (मजदूर वाला तथा नियोक्ता वाला) काट लेते हैं। रोज 12½ घण्टे काम, ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से देते हैं। वार्षिक बोनस देते हैं......लेकिन बोनस के नाम पर मजदूर की तनखा से 380 रुपये हर महीने काटते हैं।"

अरिहन्त इंजिनियरिंग कामगार : "प्लॉट 113 सैक्टर-6, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में सुबह 8 से रात 8½ की शिफ्ट है, रात 10½ तक रोक लेते हैं, महीने में 2 से 10 बार पूरी रात भी रोक लेते हैं। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। तनखा देरी से, मई की 14 जून को दी। ई.एस.आई. व पी.एफ. 100 से ज्यादा मजदूरों में 10 की ही हैं। यहाँ **हैवेल्स** का काम होता है।"

शुभ इन्डस्ट्रीयल कम्पोनेन्ट्स : "30 इन्डस्ट्रीयल एरिया, फरीदाबाद स्थित फैक्ट्री में **मारुति सुजुकी** में हड़ताल और वार्षिक शट डाउन के कारण 20 जून से 8½ घण्टे की ड्युटी है और कहते हैं कि 10 जुलाई तक ऐसे रहेगा। वैसे, सामान्य तौर पर 60-65 मजदूर यहाँ सुबह 8 से रात 8½ की ड्युटी रोज और महीने में 5-6 बार रात 11 तक तथा 5-6 बार अगली सुबह 7 बजे तक काम करते हैं। रविवार को सुबह 6 से दोपहर 2 तक काम। ओवर टाइम के पैसे सिंगल रेट से। महिला मजदूरों में हैल्परों की तनखा 3400 तथा ऑपरेटरों की 3800-4000 रुपये और इन्हें रात 8½ के बाद नहीं रोकते। पुरुष हैल्परों की तनखा 3500 और ऑपरेटरों की 4000-4200 रुपये। जून माह में पावर प्रेस पर एक महिला मजदूर का पूरा अँगूठा कटा और एक पुरुष मजदूर की तीन उँगली कटी। एक्सीडेन्ट रिपोर्ट नहीं भरी। जब तक जख्म रहता है तब तक साहब खूब पुचकारते हैं, खर्च के लिये पैसे देते हैं और जख्म भरने के बाद कहते हैं जाओ, जो करना है कर लो।" **डेक्स मजदूर** : "एफ-33/5 ओखला फेज-2, दिल्ली स्थित फैक्ट्री में सिलाई कारीगरों को 8 घण्टे के 225 रुपये देते हैं। ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं। साप्ताहिक अवकाश नहीं।"

आई एम टी मानेसर : कृष्णा मारुति, 48 सै-3, स्थाई 40 और ठेकेदारों के जरिये रखे 950, दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से; **कुमार प्रिन्टर्स,** 24 से-5, दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से; **ए एस के,** 5 सै-3, दो शिफ्ट 12-12 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से; **कर्नल लेदर,** 47 सै-5, सुबह 9 से रात 11 की ड्युटी, ओवर टाइम सिंगल रेट से; **अनुज,** सै-3, स्थाई 40 और ठेकेदारों के जरिये 1000 में 500 महिला मजदूरों की 8½ घण्टे की एक तथा पुरुष मजदूरों की 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट, पी.एफ. के पैसे खा जाते हैं; **सेन्चुरी ऑटो,** 66 सै-3, दो शिफ्ट 10-10 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से;...

उद्योग विहार : ईस्टर्न मेडिकिट, फेज-1 तथा 2, कैजुअल वरकरों को मई की तनखा 20-23 जून को दी; **मोडलामा,** 200 फेज-1, धागे काटने वाले 40 मजदूरों की तनखा 3000-4500 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं;.....

फरीदाबाद : न्यूमैटिक इंजिनियरिंग, 109 सै-31, हैल्पर तनखा 3000 और ऑपरेटर 4200 रुपये, 12-12 घण्टे की दो शिफ्ट, ओवर टाइम सिंगल रेट से; **शिवालिक प्रिन्ट्स,** 138 सै-24, सुबह 9½ से रात 1, अगली सुबह 4 तक काम, ओवर टाइम सिंगल रेट से; **नूकेम,** 54 इन्ड. एरिया, फरवरी से मई की तनखायें 14 जून तक नहीं दी और फिर तालाबन्दी; **जगसन पाल फार्मास्युटिकल्स,** 12/4 मथुरा रोड, 15 महिला मजदूरों की तनखा 3500 से 4503 रुपये की, स्थाई मजदूरों को अप्रैल से देय वार्षिक वेतन वृद्धि 17 जून तक नहीं; **लखानी,** 144 सै-24, मई की तनखा के लिये 13 जून को मजदूरों ने काम बन्द किया; **करण ऑटोमोटिव्ज,** 17 इन्ड. एरिया, ठेकेदारों के जरिये रखे 250 हैल्परों की तनखा 3800-4000 रुपये, ई.एस.आई. नहीं, पी.एफ. नहीं; **महारानी पेन्ट्स,** 343 सै-24, महीने में 90 से 160 घण्टे ओवर टाइम, भुगतान सिंगल रेट से; **हिन्द उद्योग,** 13 सै-24, विरोध बढने पर एक घण्टे के 14 रुपये को 20 रुपये किया, एक शिफ्ट 12 घण्टे की, ओवर टाइम सिंगल रेट से, साप्ताहिक अवकाश नहीं, 11 जून से 22 मजदूर फैक्ट्री के बाहर;......

महीने में एक बार छापते हैं, 9000 प्रतियाँ निशुल्क बाँटने का प्रयास करते हैं। मजदूर समाचार में आपको कोई बात गलत लगे तो हमें अवश्य बतायें, अन्यथा भी चर्चाओं के लिए समय निकालें।

कम्पनियों के आज तौर-तरीके......(पेज एक का शेष)

6200 रुपये देते हैं। ए और बी शिफ्ट में कैन्टीन में भोजन निःशुल्क। लेकिन महीने में एक दिन छुट्टी करने पर एक दिन की दिहाड़ी और.... और 2000 रुपये काट लेते हैं। किसी भी प्रकार के खुले एतराज पर ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों को नौकरी से निकाल देते हैं।

– सुपरवाइजर और मैनेजर स्थाई मजदूरों को गाली देते, कॉलर पकड़ लेते और कभी इस लाइन पर. तो कभी उस लाइन पर लगा देते।, स्थाई मजदूर को एच आर में खड़ा कर देना और कभी इस मैनेजर तो कभी उस मैनेजर द्वारा मजदूर की क्लास लेना। परेशानी ही परेशानी... ... चाय के लिये 7 मिनट में 40 गज चलो, एक हाथ में कप, ब्रैड पकोड़ा मुँह में, चेन खोल कर पेशाब करो और समय से दो मिनट पहले लाइन पर पहुँचो...... इतना काम दे रखा है कि खाज हो तो खुजलाने के लिये समय नहीं..... कम्पनी ने एक करोड़ गाड़ी बनने पर उपहार में मोबाइल दिया है पर बात करने के लिये टाइम ही नहीं दिया है..... 17000 तनखा बता कर 12000 देते हैं तो पत्नी सोचने लगती है.....

दो-दो हजार रुपये चन्दा कर स्थाई मजदूर राहत के लिये नई यूनियन बनाने लगे......

मैनेजमेन्ट के साथ खटपट हुई और चाणचक्क 4 जून को ए-शिफ्ट की समाप्ति के समय मजदूरों ने चक्का जाम कर दिया। ए तथा बी शिफ्ट के मजदूर फैक्ट्री के अन्दर जम गये। सी-शिफ्ट वालों को फोन कर बुला लिया। स्थाई मजदूर, ट्रेनी, अप्रेन्टिस और ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूर एक स्थान पर...... ढाई-तीन हजार मजदूर फैक्ट्री के अन्दर ! मजदूरों के इस आकस्मिक कदम से मारुति सुजुकी कम्पनी हक्का-बक्का। हरियाणा सरकार असमर्थ। केन्द्र सरकार असहाय। उत्पादन बन्द और मजदूर फैक्ट्री के अन्दर..... हर बीतते दिन के साथ तेज होता हानि का विलाप। मजदूरों को फैक्ट्री से जबरन निकालने के प्रयास में खतरे ही खतरे.... **रीको ऑटो, डेन्सो, वीवा ग्लोबल, हरसूर्या हैल्थकेयर, सैन्डेन विकास** में मजदूरों को फैक्ट्री से बाहर रखने-बाहर करने में सफल हुई मैनेजमेन्टें मजदूरों को दबाने में कामयाब हुई। **होण्डा** और **हीरो होण्डा** में ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों को हफ्ते में फैक्ट्रियों से निकालने में कम्पनियों और सरकार को पसीने आ गये थे – मारुति सुजकी की मानेसर फैक्ट्री के अन्दर जमे स्थाई, ट्रेनी, अप्रेन्टिस, ठेकेदारों के जरिये रखों को दस दिन हो गये.....ऐसे में कम्पनी और सरकार की बढती परेशानी को मजदूरों की परेशानी दर्शाने वाले "सामान्य स्थिति" की बहाली में सफल हुये.....

विवाद का संक्षिप्त विवरण

मैसर्स मारुति सुजुकी इन्डिया लि. प्लाट नं.1 फेस-3ए, सैक्टर-8, आई एम टी मानेसर (गुड़गाँव) में दिनाँक 4.6.2011 दोपहर लगभग 3:20 बजे संस्था के श्रमिकों ने कार्य बन्द कर दिया तथा कारखाने के अन्दर धरना करते हुए अपनी मांगों को लेकर हड़ताल पर चले गयें जो कि आज तक जारी है, जिसके उपरान्त प्रबंधकों ने दिनाँक 6.6.2011 को 11 श्रमिकों को सेवा से बर्खास्त कर दिया।

विवाद को समाप्त करने के लिये दोनों पक्षों के बीच कई बार वार्तालाप हुआ परन्तु विवाद को समाप्त करने में सफलता हासिल नहीं हुई। आज दिनाँक 16.6.2011 को दोनो पक्षों में श्री जे.पी. मान, उप श्रम आयुक्त, सर्कल-2 गुड़गाँव की मध्यस्थता से निम्नलिखित समझौता सम्पन्न हुआ।

समझौते की शर्तें

1. दोनों पक्षों में यह तय हुआ कि प्रबन्धकों द्वारा दिनाँक 6.6.2011 को जिन 11 श्रमिकों – नवीन कुमार, प्रदीप फौगाट, राजपाल, सोनू नेहरा, सोहन सिंह, नरेश कुमार, संजय डाबला, शिव कुमार, सन्दीप कुमार, सौनू कुमार एवम् दिनेश कुमार को बर्खास्त किया गया था, प्रबन्धक इन सभी श्रमिकों की बर्खास्तगी को रद्द करते हैं, परन्तु उनके विरुद्ध कानूनी प्रक्रिया के अनुसार निष्पक्ष जाँच की जायेगी तथा जाँच के आधार पर अनुशासनात्मक कार्यवाही की जाएगी। ये सभी श्रमिक कल दिनाँक 17 जून 2011 से ड्युटी पर ले लिये जायेंगे।

2. दोनों पक्षों में यह तय हुआ कि यह समझौता सभी स्थायी श्रमिकों पर लागू होगा तथा इस समझौते पर हस्ताक्षर होने के बाद सभी श्रमिक हड़ताल समाप्त कर देंगे तथा दिनाँक 17 जून 2011 से अपनी-2 शिफ्टों में कार्य पर लौट जायेंगे। श्रमिक दिनाँक 17 जून 2011 को छुट्टी करेंगे, उसकी एवज में दिनाँक 19 जून 2011 को संस्था में ड्युटी करेंगे।

3. दोनों पक्षों में यह भी तय हुआ कि हड़ताल के कारण वेतन अदायगी अधिनियम 1936 के तहत तथा कम्पनी के स्थायी आदेशों के अनुसार प्रत्येक दिन की अनुपस्थिति के एवज में जुर्माने के तौर पर तीन दिनों के वेतन की कटौती की जाएगी। यह भी तय हुआ कि फिलहाल प्रत्येक दिन की अनुपस्थिति के लिए एक दिन का वेतन जुर्माने के तौर पर काटा जाएगा। यदि सभी श्रमिक भविष्य में अच्छे आचरण, व्यवहार और कम्पनी के अनुशासन का पालन नहीं करेंगे तो बाकि दो दिनों का वेतन भी जुर्माने के तौर पर काटा जाएगा।

4. दोनों पक्षों में यह भी तय हुआ कि "कार्य नहीं तो वेतन नहीं" के सिद्धान्त के अनुसार हड़ताल के दिनों का कोई वेतन देय नहीं होगा।

5. दोनों पक्षों में यह भी तय हुआ कि सभी श्रमिक अनुशासन में रहते हुए सामान्य उत्पादन बनाए रखते हुए किसी भी प्रकार की सामुहिक या व्यक्तिगत रूप से अनुशासनहीनता की कार्यवाही नहीं करेंगे और कार्य में बाधा नहीं डालेंगे और प्रबन्धक भी श्रमिकों के विरुद्ध द्वेष की भावना से कार्यवाही नहीं करेंगे।

6. इस समझौते के उपरान्त दोनों पक्षों में कोई विवाद शेष नहीं रहेगा तथा सभी विवाद समाप्त समझे जायेंगे।

✱ मारुति सुजुकी की मानेसर फैक्ट्री में 2011 में होण्डा मोटरसाइकिल एण्ड स्कूटर फैक्ट्री में 2005 जैसी स्थितियाँ हैं। दोनों फैक्ट्रियों में युवा मजदूर। होण्डा मजदूर तब बिचौलियों के फेर में आ कर फैक्ट्री के बाहर पुलिस से पिटे। मारुति सुजुकी मजदूरों ने अब बिचौलियों से सीधी चोट खाई है। लेकिन जैसे होण्डा मैनेजमेन्ट ने पुचकार कर तब नियन्त्रण स्थापित किया वैसे ही कदम मारुति सुजुकी मैनेजमेन्ट उठाने लगी है....मजदूर कुछ राहत महसूस कर रहे हैं। लेकिन....

2005 में होण्डा के 1700 स्थाई मजदूर वास्तव में मजदूर थे। आज जिन 1800 को स्थाई मजदूर कहा जाता है उनका उल्लेखनीय हिस्सा ठेकेदारों के जरिये रखे मजदूरों से काम करवाता है। मोटरसाइकिल इंजन विभाग में एक शिफ्ट में 4 इंजिनियर, 12 स्थाई मजदूर और ठेकेदार कम्पनी के जरिये रखे 110 मजदूर काम करते हैं। बाइक प्लान्ट असेम्बली लाइन 2 के तीन जोन में एक शिफ्ट में 8 स्टाफ के लोग, 3 लाइन लीडर, 4 स्थाई मजदूर, 4 कम्पनी कैजुअल और ठेकेदारों के जरिये रखे 101 मजदूर काम करते हैं। होण्डा में आज उत्पादन का अधिकतर कार्य ठेकेदारों के जरिये रखे 6500 मजदूर करते हैं। इनके अतिरिक्त भी यहाँ ठेकेदारों के जरिये रखे 1500 मजदूर काम करते हैं।

भूलभुलैया

✱ स्थाई मजदूर और अस्थाई मजदूर। अस्थाई में कैजुअल वरकर अथवा ठेकेदार के जरिये रखे मजदूर। पंजीकृत अथवा बिना पंजीकरण वाले ठेकेदार। ई.एस.आई. व पी.एफ. वाले मजदूर अथवा इनके बिना वाले मजदूर। दिल्ली, नोएडा, गुड़गाँव, फरीदाबाद में फैक्ट्रियों में काम करते 70-75 प्रतिशत मजदूर कम्पनी तथा सरकार के दस्तावेजों में होते ही नहीं। फैक्ट्रियों में काम करते 75-80 प्रतिशत मजदूरों को सरकारों द्वारा निर्धारित न्यूनतम वेतन नहीं दिया जाता। फैक्ट्रियों में 12-16 घण्टे ड्युटी आज सामान्य है और 95-98 प्रतिशत ओवर टाइम का भुगतान दुगुनी दर की बजाय सिंगल रेट से किया जाता है। ✱ हिस्सों-पुर्जों को बनाने-जोड़ने-संवारने के जटिल ताने-बाने। बहुत छोटी-छोटी-मध्यम दर्जे की सैंकड़ों-हजारों फैक्ट्रियाँ तीन-चार सौ मील के घेरे में। हजारों मील दूर स्थित फैक्ट्रियों से इनके जोड़।

इन हालत में और कम्पनियों के इन तौर-तरीकों से निपटने के लिये संगठित प्रयासों पर विचार-विमर्श, आदान-प्रदान आवश्यक हैं।

तोड़ने वाली स्थितियाँ और तोड़ने के प्रयास वस्तुगत तौर पर दुनियाँ-भर के मजदूरों के जुड़ने के हालात को परिपक्व भी कर रहे हैं। स्थाई-अस्थाई, इस-उस कम्पनी, यह-वह क्षेत्र, इस-उस सीमा के अन्दर रहते हुये भी इनके पार जा कर अनेक प्रकार के जोड़ बनाने की कोशिशें प्रस्थान-बिन्दु लगती हैं।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं सम्पादक शेर सिंह के लिए जे0 के0 आफसैट दिल्ली से मुद्रित किया।

RN 42233 पोस्टल रजिस्ट्रेशन L/HR/FBD/73-2011